Important Question Class 7 Hindi Chapter 1 महाभारत कथा

प्रश्न-1 महाभारत की कथा किसकी देन है?

उत्तर- महाभारत की कथा महर्षि पराशर के कीर्तिमान पुत्र वेद व्यास की देन है ।

प्रश्न-2 व्यास जी ने महाभारत की कथा सबसे पहले किसे कंठस्थ कराई थी?

उत्तर- व्यास जी ने महाभारत की कथा सबसे पहले अपने पुत्र शुकदेव को कंठस्थ कराई थी और बाद में अपने दूसरे शिष्यों को ।

प्रश्न- मानव जाति में महाभारत की कथा का प्रसार किसके द्वारा हुआ?

उत्तर – मानव जाति में महाभारत की कथा का प्रसार महर्षि वैशंपायन के द्वारा हुआ ।

प्रश्न-4 महर्षि वैशंपायन कौन थे?

उत्तर – महर्षि वैशंपायन व्यास जी के प्रमुख शिष्य थे ।

प्रश्न-5 किसके यज्ञ में सूत जी भी मौजूद थे?

उत्तर – महाराजा परीक्षित के पुत्र जनमेजय के यज्ञ में सूत जी भी मौजूद थे ।

प्रश्न-6 सूत जी के द्वारा बुलाई गयी सभा के अध्यक्ष कौन थे?

उत्तर – सूत जी के द्वारा बुलाई गयी सभा के अध्यक्ष महर्षि शौनक थे ।

प्रश्न-7 महाराजा शांतनु के बाद किसको हस्तिनापुर की गद्दी मिली?

उत्तर – महाराजा शांतनु के बाद उनके पुत्र चित्रांगद को हस्तिनापुर की गद्दी मिली ।

प्रश्न-8 बाद में हस्तिनापुर की गद्दी विचित्रवीर्य को क्यों दी गई?

उत्तर – चित्रांगद की अकाल मृत्यु के बाद उनके भाई विचित्रवीर्य को हस्तिनापुर की गद्दी दी गई ।

प्रश्न-9 विचित्रवीर्य के दो पुत्रों के नाम लिखो ।

उत्तर – विचित्रवीर्य के दो पुत्रों के नाम हैं – धृतराष्ट्र और पांडु ।

प्रश्न-10 धृतराष्ट्र ज्येष्ठ पुत्र थे फिर पांडु को गद्दी पर क्यों बिठाया गया?

उत्तर – धृतराष्ट्र जन्म से अंधे थे इसलिए उस समय की निति के अनुसार पांडु को गद्दी पर बिठाया गया ।

प्रश्न-11 पांडु की कितनी रानियाँ थीं? उनके नाम लिखें ।

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर – पांडु की दो रानियाँ थीं – कुंती और माद्री ।

प्रश्न-12 पांडु अपनी दो रानियाँ के साथ जंगल क्यों गए?

उत्तर – पांडु अपनी दो रानियाँ के साथ अपने किसी अपराध के प्रायश्चित के लिए तपस्या करने जंगल में गए ।

प्रश्न-13 पांडु के कितने पुत्र थे?

उत्तर – पांडु के पाँच पुत्र थे ।

प्रश्न-14 पांडवो का पालन-पोषण किनके द्वारा और कहाँ हुआ?

उत्तर – पांडवो का पालन-पोषण ऋषि मुनियों के द्वारा जंगल में हुआ ।

प्रश्न-15 युधिष्ठिर के सोलह वर्ष के होने पर ऋषियों ने पांडवों को किन्हें सौंप दिया?

उत्तर – युधिष्ठिर के सोलह वर्ष के होने पर ऋषियों ने पांडवों को हस्तिनापुर ले जाकर पितामह भीष्म को सौंप दिया ।

प्रश्न-16 कौरव पांडवों से क्यों जलते थे?

उत्तर – पाँचों पांडव बुद्धि से तेज़, शरीर से बली और मधुर स्वभाव के थे । पांडवों के गुण सबको मोह लिया करते थे । यह देखकर कौरव उनसे जलते थे ।

प्रश्न-17 कुरु राज्य का बटवारा किस प्रकार हुआ?

उत्तर – कुरु राज्य के दो हिस्से किए गए । कौरव हस्तिनापुर में ही राज करते रहे और पांडवों को एक अलग राज्य दे दिया गया, जो आगे चलकर इंद्रप्रस्थ के नाम से मशहूर हुआ ।

प्रश्न-18 राजा लोगों के बीच कौन सा खेल खेलने का रिवाज था?

उत्तर – राजा लोगों के बीच चौसर खेलने का रिवाज था ।

प्रश्न-19 पांडवो का राज्य कैसे छिना और उन्हें क्या भोगना पड़ा?

उत्तर – चौसर के खेल में शकुनि ने युधिष्ठिर को हरा दिया । इसके फलस्वरूप पांडवों का राज्य छिन गया और उनको तेरह वर्ष का वनवास भोगना पड़ा ।

प्रश्न-20 खेल की क्या सर्त थी?

उत्तर – सर्त यह थी कि बारह वर्ष के वनवास और एक वर्ष का अज्ञातवास भोगने के बाद पांडवों को उनका राज्य लौटा दिया जाएगा ।

प्रश्न-21 कौरव और पांडवों में युद्ध का क्या कारण था?

उत्तर – दुर्योधन ने पांडवों को राज्य लौटने से इंकार कर दिया था । येही कौरव और पांडवों के बिच युद्ध का कारण बना ।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न-22 वनवास के बाद पांडवों को क्या करना पड़ा?

उत्तर – वनवास के बाद पांडवों को एक वर्ष अज्ञातवास बिताना पड़ा।

https://www.evidyarthi.in/